लम्बी चुदाई-5

“Lambi Choot Chudai-5 मैंने कहा- मजा तो बहुत आया.. पर मेरे जिस्म की हालत ऐसी है कि मैं ठीक से खड़ी भी नहीं हो सकती। तभी मेरी योनि और नाभि के बीच के हिस्से में उसका लिंग चुभता हुआ महसूस हुआ.. मैंने देखा तो उसका लिंग फिर से कड़ा हो रहा था। उसके लिंग के […] ...”

Story By: saarika kanwal (saarika.kanwal)
Posted: शनिवार, दिसम्बर 6th, 2014
Categories: पड़ोसी
Online version: लम्बी चुदाई-5

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

लम्बी चुदाई-5

Lambi Choot Chudai-5

मैंने कहा- मजा तो बहुत आया.. पर मेरे जिस्म की हालत ऐसी है कि मैं ठीक से खड़ी भी नहीं हो सकती।

तभी मेरी योनि और नाभि के बीच के हिस्से में उसका लिंग चुभता हुआ महसूस हुआ.. मैंने देखा तो उसका लिंग फिर से कड़ा हो रहा था।

उसके लिंग के ऊपर की चमड़ी पूरी तरह से ऊपर चढ़ गई थी और सुपाड़ा खुल कर किसी सेब की तरह दिख रहा था। ऐसा लग रहा था जैसे सूज गया हो।

अमर ने मुझे अपनी बांहों में कसते हुए फिर से चूमना शुरू कर दिया, पर मैंने कहा- प्लीज अब और नहीं हो पाएगा मुझसे.. तुम जाओ।

तब उसने कहा- थोड़ी देर मुझे खुद से अलग मत करो.. मुझे अच्छा लग रहा है।

इस तरह वो मुझे अपनी बांहों में और कसता गया और चूमता गया।
फिर उसने मेरी एक टांग जाँघों से पकड़ कर अपने ऊपर चढ़ा दिया और अपने लिंग को मेरी योनि में रगड़ने की कोशिश करने लगा।

मैं अपनी कमर को उससे दूर करने की कोशिश करने लगी, पर उसने मेरे गले में एक हाथ डाल कर मुझे अपनी और खींच कर होंठों को चूसना शुरू कर दिया और दूसरे हाथ से मेरे कूल्हों को पकड़ अपनी और खींचा।

इससे मेरी योनि उसके लिंग से रगड़ खाने लगी और अमर अपने कमर को नचा कर लिंग

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

को मेरी योनि में रगड़ने लगा।

मेरी योनि में जैसे ही उसका मोटा सुपाड़ा लगा, मैं कराह उठी और झट से उसके लिंग को पकड़ कर दूर करने की कोशिश की, तब अमर ने कहा- आराम से… दुखता है।

मैंने कहा- जब इतना दर्द है.. तो बस भी करो और जाओ काम पर।

तब उसने कहा- बस एक बार और.. अभी तक मेरा दिल नहीं भरा।

मैंने कहा- नहीं.. मुझसे अब और नहीं होगा, मैं मर जाऊँगी।

देखते ही देखते अमर का लिंग और कड़ा हो गया और वो मेरे ऊपर चढ़ गया और मुझे पागलों की तरह चूमने लगा।

मुझमे इतनी ताकत नहीं थी कि मैं उसका साथ दे सकूँ और न ही मेरे जिस्म में हिम्मत थी कि उसका विरोध कर सकूँ।

मेरे साथ न देने को देखते हुए वो मुझसे अलग हो मेरे पैरों की तरफ घुटनों के बल खड़ा हो कर खुद ही अपने हाथ से अपने लिंग को हिलाने लगा और उसे तैयार करने लगा।

मैं बस उसे देखते हुए उससे बार-बार यही कह रही थी- अब बस भी करो..

मैंने अपनी जांघें आपस में सटा लीं पर मेरा ऐसा करना उसके मन को बदल न सका।

उसने मुझसे कहा- बस ये अंतिम बार है और अब मैं चला जाऊँगा।

वो मेरी टांगों को अलग करने की कोशिश करने लगा।

मैं अपनी बची-खुची सारी ताकत को उसे रोकने में लगा रही थी और विनती कर रही थी

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

‘छोड़ दे..’ पर ये सब व्यर्थ गया।

मैं उसके सामने कमजोर पड़ गई और उसने मेरी टांगों को फैलाया और फिर बीच में आकर मेरे ऊपर झुक गया।

मुझे ऐसा लगने लगा कि आज मेरी जान निकल जाएगी, मुझे खुद पर गुस्सा भी आने लगा कि आखिर मैंने इसे क्यों पहले नहीं रोका।

पहले दिन ही रोक लिया होता तो आज यह नौबत नहीं आती।

मेरी हालत रोने जैसी हो गई थी क्योंकि मुझे अंदाजा था कि क्या होने वाला है, सो अपनी ताकत से उसे धकेल रही थी, पर वो मुझसे ज्यादा ताकतवर था।

उसने एक हाथ में थूक लिया और मेरी योनि की छेद पर मल दिया और उसी हाथ से लिंग को पकड़ कर योनि की छेद पर रगड़ने लगा।

उसके छुअन से ही मुझे एहसास होने लगा कि मेरी अब क्या हालत होने वाली है।
तभी उसने लिंग को छेद में दबाया और सुपाड़ा मेरी योनि में चला गया।

मैं दर्द से कसमसाते हुए कराहने लगी और उसे धकेलने का प्रयास करने लगी, पर अमर ने मुझे कन्धों से पकड़ लिया और धीरे-धीरे अपनी कमर को मेरी योनि में दबाता चला गया।

इस तरह उसका लिंग मेरी योनि में घुसता चला गया.. मैं बस कराहती और तड़पती रही।

मैं विनती करने लगी- प्लीज मुझे छोड़ दो.. मैं मर जाऊँगी.. बहुत दर्द हो रहा है।

पर अमर ने मुझे चूमते हुए कहा- बस थोड़ी देर.. क्या मेरे लिए तुम इतना सा दर्द बर्दास्त नहीं कर सकती ?

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

उसने धीरे-धीरे लिंग को अन्दर-बाहर करना शुरू कर दिया।

मेरे लिए यह पल बहुत ही असहनीय था, पर मेरे किसी भी तरह के शब्द काम नहीं आ रहे थे।
मैं समझ चुकी थी कि अमर अब नहीं रुकेगा पर फिर भी मैं बार-बार उससे कह रही थी- मुझे छोड़ दो.. मैं मर जाऊँगी।

अमर मेरी बातों से जैसे अनजान सा हो गया था और वो धक्के लगाते जा रहे थे और कुछ देर में उनके धक्के तेज़ होने लगे.. जो मेरे लिए किसी श्राप की तरह लगने लगे।

मेरा कराहना और तेज़ हो गया और अब मेरे मुँह से निकलने लगा- धीरे करो.. आराम से करो।

करीब 30 मिनट हो गए, पर अमर अभी तक धक्के लगा रहा था। मुझे लगा कि जल्दी से झड़ जाए तो मुझे राहत मिले।

मैंने कहा- क्या हुआ… जल्दी करो।

उसने कहा- कर रहा हूँ.. पर निकल नहीं रहा।

मैंने उससे कहा- जब नहीं हो रहा.. तो मैं हाथ से निकाल देती हूँ।

उसने कहा- नहीं, बस थोड़ी देर और..

मैंने कहा- तुम मेरी जान ले लोगे क्या.. मैं दर्द से मरी जा रही हूँ, प्लीज छोड़ दो…. मेरी फट जाएगी ऐसा लग रहा है।

मैंने उसे फिर से धकेलना शुरू कर दिया। यह देखते हुए उसे मेरे हाथों को अपने हाथों से

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

पकड़ कर बिस्तर पर दोनों तरफ फैला कर दबा दिया और धक्के लगाने लगा।

उसके धक्के इतने तेज़ हो चुके थे कि मुझे लगा अब मैं नहीं बचूंगी और मेरे आँखों से आंसू आने लगे, पर अमर पर कोई असर नहीं हो रहा था।
उसके दिमाग में सिर्फ चरम-सुख था।

मुझे सच में लगने लगा कि मेरी योनि फट जाएगी, योनि की दीवारों से लिंग ज्यों-ज्यों रगड़ता मुझे ऐसा लगता जैसे छिल जाएगी और बच्चेदानी को तो ऐसा लग रहा था.. वो फट ही चुकी है।

मैं अपने पैरों को बिस्तर पर पटकने लगी, कभी घुटनों से मोड़ लेती तो कभी सीधे कर लेती।

इतनी बार अमर सम्भोग कर चुका था कि मैं जानती थी कि वो इतनी जल्दी वो नहीं झड़ सकता इसलिए मैं कोशिश कर रही थी कि वो मुझे छोड़ दे।

अमर भी धक्के लगाते हुए थक चुका था.. वो हाँफ रहा था, उसके माथे और सीने से पसीना टपक रहा था.. पर वो धक्के लगाने से पीछे नहीं हट रहा था क्योंकि वो भी जानता था कि मैं सहयोग नहीं करुँगी।

करीब 20 मिनट के बाद मुझे महसूस हुआ कि अब वो झड़ने को है.. मैंने खुद को तैयार कर लिया।
क्योंकि अब तक जो दर्द मैं सह रही थी वो कुछ भी नहीं था.. दर्द तो अब होने वाला था।

क्योंकि मर्द झड़ने के समय जो धक्के लगाते हैं वो पूरी ताकत से लगाते हैं।
तो मैंने एक टांग को मोड़ कर अमर की जाँघों के बीच घुसा दिया ताकि उसके झटके मुझे थोड़े कम लगें।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

अमर पूरी तरह से मेरे ऊपर लेट गया और मेरे हाथों को छोड़ दिया मैंने अमर की कमर को पकड़ लिया ताकि उसके झटकों को रोक सकूं।

फिर उसने दोनों हाथ को नीचे ले जाकर मेरे चूतड़ों को कस कर पकड़ा और अपनी और खींचते हुए जोरों से धक्के देने लगा।
करीब 8-10 धक्कों में वो शांत हो गया।

मैं उसके धक्कों पर कराहती रही और मेरे आँसू निकल आए।
वो मेरे ऊपर कुछ देर यूँ ही पड़ा रहा फिर मेरे बगल में लेट सुस्ताने लगा।

उसके झड़ने से मुझे बहुत राहत मिली, पर मेरी हालत ऐसी हो गई थी कि मैं वैसे ही मुर्दों की तरह पड़ी रही।
मेरे हाथ-पाँव जहाँ के तहाँ ही थे और मैं दोबारा सो गई।

जब आँख खुली तो खुद को उसी अवस्था में पाया जैसे अमर ने मुझे छोड़ा था, मेरा एक हाथ मेरे पेट पर था दूसरा हाथ सर के बगल में, एक टांग सीधी और दूसरी वैसे ही मुड़ी थी जैसे मैंने उसके झटकों को रोकने के लिए रखा था।

मुझे ऐसा महसूस हो रहा था, जैसे मेरे बदन में जान ही नहीं बची.. मैं दर्द से कराहती हुई उठी तो अपनी योनि को हाथ लगा कर देखा, उसमें से वीर्य में सना खून मुझे दिखाई दिया।

मैं डर गई और एक तरफ हो कर देखा तो बिस्तर पर भी खून का दाग लगा था, वैसे तो पूरा बिस्तर गन्दा हो गया था, जहाँ-तहाँ वीर्य.. मेरी योनि का पानी और पसीने के दाग दिखाई दे रहे थे।

मैं झट से उसे धोने के लिए डाल देना चाहती थी, पर जैसे ही बिस्तर से उठी तो लड़खड़ाते हुए जमीन पर गिर गई। मेरी टांगों में इतनी ताकत नहीं बची थी कि मैं खड़ी हो सकूं।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

मैंने अमर को फोन कर सब कुछ बताया तो वो छुट्टी ले कर आया और मुझे मदद की खुद को साफ़ करने में.. फिर मैंने चादर को धोने के लिए डाल दिया।

उस दिन मैं दिन भर सोई रही.. शाम को मेरा बेटा घर आया तब तक मेरी स्थिति कुछ सामान्य हुई।

फिर शाम को मैं अमर से फोन पर बात की।
मैंने उसे साफ़-साफ़ कड़े शब्दों में कह दिया- तुमने मेरी क्या हालत कर दी.. मेरी योनि फाड़ दी.. अब हम कभी दुबारा सम्भोग नहीं करेंगे।

उसने कहा- नहीं.. ऐसा नहीं है.. मुझे नहीं पता था कि खून निकल रहा है, मुझे भी दर्द हो रहा है और मैं चड्डी तक नहीं पहन पा रहा हूँ।
मैं उससे शाम को सिर्फ झगड़ती ही रही।

अगले कुछ दिनों तक मेरी योनि में दर्द रहा, साथ ही योनि के ऊपर और नाभि के नीचे का हिस्सा भी सूजा हुआ रहा, योनि 2 दिन तक खुली हुई दिखाई देती रही।

मैं अगले 2 हफ्ते तक सम्भोग के नाम से ही डरती रही।
अपने प्यारे ईमेल मुझे लिखें।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

Other stories you may be interested in

टैक्सी ड्राइवर से चूत चुदवा कर हिसाब चुकता किया

नमस्कार दोस्तो, मेरा नाम शिखा धामी है। मैं यू पी की रहने वाली हूँ। आज मैं आप लोगों के सामने अपनी चूत चुदाई की सच्ची सेक्स कहानी हिंदी में लेकर आई हूँ। उससे पहले मैं आप लोगों को बता दूँ […]
Full Story >>>

बीवी की चूत चुदवाई गैर मर्द से-9

अब तक आपने पढ़ा.. मेरी बीवी और उसका चोदू यार डॉक्टर नंगे होकर बाथरूम में नहाते हुए चुदाई कर रहे थे। अब आगे.. मैं उनके कमरे में आने से पहले ही पहले बाहर आ गया था। नेहा की आवाज आई- […]
Full Story >>>

बीवी की चूत चुदवाई गैर मर्द से-8

आप सभी पाठक जनों का तहेदिल से शुक्रिया! मेरे फेसबुक अकाउंट पर कम से कम 500 से ज्यादा फ्रेंड रिक्वेस्ट आ चुकी हैं, हर फ्रेंड रिक्वेस्ट भेजने वाला मेरी पत्नी नेहा को चोदने को आतुर है। मैं अपने सभी पाठकों […]
Full Story >>>

सालियों ने किया जीजा का बलात्कार-1

दोस्तो, आपको मेरी पिछली कहानी पतियों की अदला बदली और सहेलियों की सेक्स भरी मस्ती पसंद आई और इसके लिए आपके मिले मेल्स के लिए धन्यवाद! आज की मेरी कहानी दो बहनों रीमा और रिंकी की कहानी है जिन्होंने अपनी […]
Full Story >>>

डॉक्टर साक्षी नहीं सेक्सी डॉक्टर

दोस्तो, माफ़ी चाहता हूँ कि इस बार मैंने कहानी लिखने में वक़्त ज्यादा लगा दिया लेकिन यक़ीन करना बड़ी मेहनत और शब्दों को कामरस की कलम और स्याही में डुबो कर लिखा है। कहानी खुद ही पढ़ कर आनन्द लीजिए […]
Full Story >>>

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

Other sites in IPE

Desi Kahani

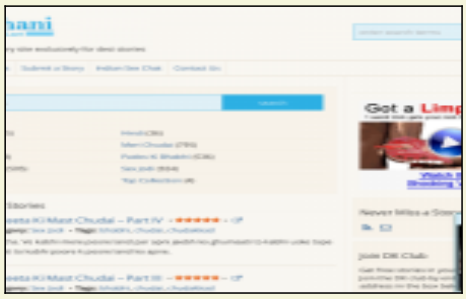

India's first ever sex story site exclusively for desi stories. More than 3,000 stories. Daily updated.

Tamil Kamaveri

சூடு ஏத்தும் தமிழ் செக்ஸ் கதைகள் , தமிழ் லெஸ்பியன் கதைகள் , தமிழ் குடும்ப செக்ஸ் கதைகள் , தமிழ் ஆண் ஓரின சேர்க்கை கதைகள் , தமிழ் கள்ள காதல் செக்ஸ் கதைகள் , படிக்க எங்கள் தமிழ்காமவெறி தளத்தை விசிட் செய்யவும் . மேலும் நீங்கள் உங்கள் கதைகளை பதிவு செய்யலாம் மற்றும் செக்ஸ் சந்தேகம் சம்பந்தமான செய்திகளும் படிக்கலாம்

Bangla Choti Kahini

বাংলা ভাষায় নুতন বাংলা চটি গল্প, বাংলা ফন্টে বাংলাদেশী সেক্স ষ্টোরি, বাংলা পানু গল্প ও বাংলা চোদাচুদির গল্প সংগ্রহ নিয়ে হাজির বাংলা চটি কাহিনী

Antarvasna Gay Videos

Welcome to the world of gay porn where you will mostly find Indian gay guys enjoying each other's bodies either openly for money or behind their family's back for fun. Here you will find guys sucking dicks and fucking asses. Meowing with pain mixed with pleasures which will make you jerk you own dick. Their cums will make you cum.

Delhi Sex Chat

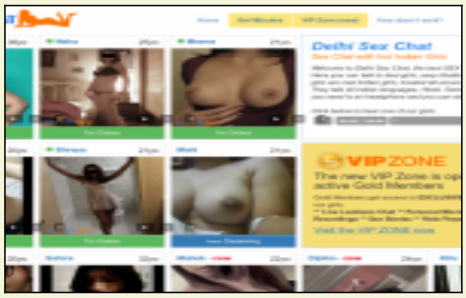

Are you in a sexual mood to have a chat with hot chicks? Then, these hot new babes from DelhiSexChat will definitely arouse your mood.

Velamma

Vela as her loved ones like to call her is a loving and innocent South Indian Aunty. However like most of the woman in her family, she was blessed with an extremely sexy figure with boobs like they came from heaven! Visit the website and check the first 3 episodes for free.

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire